प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

बदलती जलवायु में सुनियोजित खेती पर प्रशिक्षण सम्पन्न

पंतनगर। 29 जनवरी 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्थित संकाय उच्च अध्ययन केन्द्र, में कल 'जलवायु के लचीलेपन के मद्देनजर सुनियोजित प्रतिक्रियात्मक खेती' विषय पर 21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, ने की।

कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने बदलती हुए जलवायु का भावी कृषि पर प्रभाव का घटते हुए कृषि प्रक्षेत्र एवं बढ़ते हुए औद्योगीकरण के संदर्भ में मुद्दा उठाया। उन्होने कृषि के क्षेत्र में तीन प्रमुख चुनौतियों का भी उल्लेख किया, जो प्राकृतिक स्रोतों का पतन, जलश्रोतों का कम होना, एवं जलवायु परिवर्तन हैं। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के लिए इन चुनौतियों का सामना करने के लिए नई तकनीकों का प्रयोग करना आवश्यक है, जिससे खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को संतुलित किया जा सके। उन्होंने फसल उत्पादन में विविधता अपनाये जाने का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में डा. जे. कुमार द्वारा प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये।

संकाय उच्च अध्ययन केन्द्र के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, डा. के. एस. शेखर, ने बताया कि इस 39 वें प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 राज्यों के 19 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग द्वारा प्रशिक्षण की यह श्रंखला वर्ष 1994 से आयोजित की जा रही है और अब तक लगभग 900 वैज्ञानिकों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस प्रशिक्षण के दौरान कुल 40 व्याख्यान, 8 प्रयोगात्मक कक्षाएं व 2 भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए गये, जो भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, ज्योलीकोट, पटवाडांगर, नैनीताल, तथा वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, में किये गये।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रशिक्षण संचालक एवं प्राध्यापक, डा. रोहताश्व सिंह, ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए संकाय उच्च अध्यन केन्द्र द्वारा आयोजित इस 39 वें प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। अन्त में डा. वी.सी. ध्यानी ने सभागार में उपस्थित अतिथियों व प्रतिभागियों को धन्यवाद किया और आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार।